रक्षा मंत्री ने बीईएमएल के पवनचक्की उद्यान को देश के लिए समर्पित किया

बीईएमएल लिमिटेड, जो रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की श्रेणी-1 मिनी रत्न कंपनी है, ने अपनी खपत के लिए 100% अक्षय ऊर्जा का उपयोग करने का अद्वितीय लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस प्रयास में, दमूर गांव, बागलकोट जिला, कर्नाटक में संस्थापित कंपनी के 9 मेगावाट पवनचक्की उद्यान को दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय रक्षा मंत्री श्री अरुण जेटली द्वारा देश के लिए समर्पित किया गया। इस अवसर पर श्री ए के गुप्ता, सचिव (रक्षा उत्पादन), भारत सरकार और श्री दीपक कुमार होता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीईएमएल की उपस्थिति में माननीय रक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष भामरे, अतिथि सम्मान के रूप में उपस्थित थे। इस समर्पण कार्यक्रम के दौरान रक्षा उपक्रम और आयुध निर्माणी बोर्ड के निदेशकों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे ।

बीईएमएल के पवनचक्की उद्यान देश के लिए समर्पित करने के कार्यक्रम के दौरान माननीय रक्षा मंत्री श्री अरुण जेटली के साथ माननीय रक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष भामरे और श्री ए के गुप्ता, सचिव (रक्षा उत्पादन) दर्शित हैं।

माननीय रक्षा मंत्री श्री अरुण जेटली बीईएमएल के पवनचक्की उद्यान का उद्घाटन करते हैं। साथ में माननीय रक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष भामरे और श्री ए के गुप्ता, सचिव (रक्षा उत्पादन) दर्शित हैं।

दमूर गांव, बागलकोट जिला, कर्नाटक में संस्थापित पवनचक्की उद्यान का दृश्य

संस्थापित की जा रही 9 मेगावाट की पवनचक्की कोलार गोल्ड फील्ड्स, बेंगलूर और मैसूर में स्थित बीईएमएल के विनिर्माण इकाइयों को ऊर्जीकृत करने योग्य बिजली उत्पन्न करेगी। इसके अलावा, बीईएमएल ने पहले ही कर्नाटक के गदग जिले के कप्पतगुद्दा में 5 मेगावाट पवनचक्की परियोजना स्थापित की है और 2007 से इस पवनचक्की द्वारा उत्पन्न बिजली का उपयोग किया जा रहा है जिससे कंपनी की लगभग 68% ऊर्जा आवश्यकताओं को हरित ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

निहाई पर शेष पवनचक्की परियोजनाओं को चालू करने के बाद, बीईएमएल को बिजली की पर्याप्त यूनिटों का उत्पादन करना है तथा हर साल पर्यावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को कम करके कार्बन पदचिह्न को कम करना है। इसके साथ बीईएमएल की बिजली की खपत की आवश्यकता सम्पूर्ण रूप में अक्षय ऊर्जा के साथ पूरी हो जाएगी तथा यह "ग्रीन कंपनी" होने की दिशा में प्रगति करेगा और वर्ष 2022 तक विश्व की स्वच्छ ऊर्जा पूंजी बनने के लिए 175 गीगावॉट तक अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि करने के राष्ट्रीय हरित ऊर्जा मिशन की दिशा में योगदान करेगा।

बेंगलूर
01.06.2017

बीईएमएल लिमिटेड द्वारा रिलीस